सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 02 | अंक – 300 | जौनपुर, शनिवार, 27 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

कारगिल युद्ध के दौरान जवानों के अदम्य शौर्य और साहस का लोहा दुनिया ने माना - सीएम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कारगिल युद्ध भारत पर थोपा गया था। छद्म रूप से पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठ कर भारत पर युद्ध थोपने का कार्य किया था। किन्तु युद्ध का परिणाम क्या होगा, यह हमारे बहादुर जवानों ने तय किया। उस समय हमारी सेना के वीर जवानों के सामने विपरीत परिस्थितियां थीं, लेकिन हमारे उनके सामने कोई दुश्मन टिक नहीं पाया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय जवानों के अदम्य शौर्य और साहस का लोहा दुनिया ने माना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेंट्रल कमांड, कैंट के सूर्या सभागार में कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने

कारगिल विजय दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जिन वीर नारियों और परिवारों ने कारगिल युद्ध में अपने परिवार के सदस्यों को खोया है, आज उन्हें सम्मानित कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर भारत की पहचान जबरन एकाधिकार करने वाले देश की नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि बल, बुद्धि और विद्या में भारत जब दुनिया के अंदर सिरमौर था, तब भी हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया। परंतु किसी आक्रांता ने यहां आकर हमारी शांति और हमारी सद्भावना के हनन का दुस्साहस किया तो भारत माता के बहादुर जवानों ने मातृभूमि के रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सीएम योगी ने कहा कि देश की सीमा की रक्षा करने वाले बहादुर जवानों के साथ राज्य सरकार हमेशा खड़ी है। हमारा जवान किसी भी युद्ध या सीमा की सुरक्षा करते हुए शहीद होता है, तो राज्य सरकार की ओर उसके परिवार को आज 50 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। साथ ही उस परिवार के एक सदस्य की नौकरी की भी व्यवस्था सुनिश्चित की है। इसके अलावा 2017 से हमारी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि शहीद होने वाले जवान की स्मृति को आगे बढ़ाने के लिए जिस गांव, नगर, कस्बे का वह जवान होगा, वहां पर एक भव्य स्मारक, इंस्टिट्यूट या किसी मार्ग का नामकरण उस जवान के नाम पर करेंगे। इस मौके पर सीएम योगी ने परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडेय के पिता, राइफलमैन सुनील जंग की माता, नायक आबिद खान की माता, नायक रामकेश चंद्र यादव की पत्नी, नायक राजेंद्र यादव की पत्नी, लांस नायक अशोक कुमार यादव के बेटे, ब्रिगेडियर अखिल कुमार सिन्हा, कर्नल प्रभात रंजन, को सम्मानित किया।

बजट में राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार नई बात नहीं – मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि एनडीए सरकार द्वारा संसद में पेश बजट में भी देश व जनहित से अधिक राजनीतिक स्वार्थ के तहत विभिन्न राज्यों के बीच भेदभाव, पक्षपात व असंतुलन बढ़ाने के विरुद्ध आक्रोश व विरोध स्वाभाविक है। हालांकि केंद्र द्वारा ऐसा सौतेला व्यवहार कोई नई बात नहीं है। बसपा ने भी यूपी में इसे झेला है। शुक्रवार को एक्स पर जारी अपने बयान में बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि केंद्रीय बजट से दुखी एवं पीड़ित गैर–भाजपा शासित राज्यों ने इसको लेकर नीति आयोग की बैठक में भाग नहीं लेने का निर्णय लिया है। जबकि यूपी जैसी विशाल आबादी वाले गरीब व पिछड़े राज्य पर बजट में समुचित ध्यान नहीं देना भी कितना उचित है? केंद्र द्वारा देश व जनहित को सर्वोपरि रखना बहुत जरूरी है।

कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग

वहीं दूसरी ओर मायावती ने अपने दूसरे बयान में कहा कि यूपी भाजपा के एक दलित सांसद द्वारा बसपा के जन्मदाता व संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न की उपाधि देने की मांग करने के बजाय केंद्र की सत्ता में अपनी सरकार से इसे तुरंत दिलवाएं।

संक्षिप्त खबरें

डबल इंजन वालों के बीच में एक और इंजन आ गया – अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य दिल्ली की वाई–फाई के पासवर्ड हैं। उन्होंने केशव को मोहरा बताते हुए कहा कि आप (मीडिया) बस दिल्ली के वाईफाई पासवर्ड का खेल देखिए। प्रदेश सपा मुख्यालय पर शुक्रवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने भाजपा के अंदरूनी मतभेदों को लेकर चल रहीं चर्चाओं पर निशाना साधा। इसके अलावा अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा कि लगता है डबल इंजन वालों के बीच में एक और इंजन आ गया है, जो दिल्ली लखनऊ के बीच शंटिंग करता है। ऐसा लग रहा है कि दो राजधानियों के बीच कोई इंटर सिटी आवागमन सेवा चल रही है। अखिलेश से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक में केशव के न आने के संबंधित सवाल पूछा गया था। अखिलेश ने जवाब में कहा कि ऐसा इसलिए है कि कुछ लोग मोहरा बन गए है। उन्होंने कहा कि केशव आरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश शासन को इसलिए पत्र लिख रहे हैं क्योंकि वे दोनों पालों में रहने का प्रयास कर रहे हैं। ताकि, इधर भी बदनाम न हों और उधर भी काम चलता रहे।

करगिल युद्ध में भारत के वीर सपूतों ने अदम्य साहस का परिचय दिया – शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय सेना के जवानों ने करगिल युद्ध के दौरान हिमालय की दुर्गम पहाड़ियों में अदम्य वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन की सेना को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। अमित शाह ने कहा कि करगिल विजय दिवस सेना के बहादुर जवानों की वीरता के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, करगिल के युद्ध में वीर जवानों ने हिमालय की दुर्गम पहाड़ियों में पराक्रम की पराकाष्ठा का परिचय देते हुए दुश्मन की सेना को घुटने टेकने पर मजबूर किया और करगिल में पुनरू तिरंगा लहराकर देश को गौरवान्वित किया। गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सैनिकों के त्याग, समर्पण व बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं पाएगा। शाह ने कहा, आज "करगिल विजय दिवस" पर इस युद्ध में अपने साहस से मातृभूमि की रक्षा करने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं। भारतीय सेना ने लद्दाख में स्थित करगिल की बर्फीली चोटियों पर लगभग तीन महीने तक चले युद्ध में जीत हासिल करते हुए 26 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय की सफल समाप्ति का ऐलान किया था।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान उसकी आत्मा – कृषि मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में एक सांसद के सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान

इसकी आत्मा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसान की सेवा करना हमारे लिए भगवान की पूजा करने के समान है। उन्होंने कहा कि मैं आपको बताना चाहता हूं कि 2004–14 के बीच केवल 6,29,000 मीट्रिक टन दालें खरीदी गईं। मोदी जी की सरकार 1 करोड़ 70 लाख मीट्रिक टन दाल खरीद रही है, जो 25 गुना ज्यादा है। शिवराज ने आगे कहा कि बंसी लाल जी ने कहा है कि वह एक विद्वान किसान हैं। मैं कहना चाहूंगा कि दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इस बार हमने तय किया है कि मसूर, उड़द और तुअर की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जाएगी। चिंता मत कीजिए, देश के किसानों को दाल पैदा करने दीजिए, हम खरीदेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार निरंतर किसानों के कल्याण के काम में लगी हुई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी की दरें किसान को ठीक दाम देने के लिए लगातार बढ़ाई गई हैं। किसानों के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को घेरने का प्रयास कर रही कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में पलटवार करते हुए तंज कसा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को यह भी नहीं पता होगा कि जौ की बाली कैसी होती है और गेहूं की कैसी। पार्टी ने यह भी कहा कि विपक्ष आम चुनाव के परिणाम को अपनी 'नैतिक जीत' बता रहा है।

मैं निर्दोष हूं, मेरे खिलाफ साजिश हुई - राहुल गांधी

सुलतानपुर, संवाददाता। मानहानि मामले की सुनवाई के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को एमपी–एमएलए कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने अगली सुनवाई 12 अगस्त को तय की है, जब याचिकाकर्ता का बयान दर्ज किया जाएगा। सूत्र बताते हैं कि गांधी को उस तारीख पर अदालत में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया और कहा कि सभी आरोप झूठे हैं और शिकायत राजनीतिक द्वेष के कारण दर्ज की गई है। सुनवाई की अगली तारीख 12 अगस्त तय की गई है और शिकायतकर्ता को उस पर सबूत पेश करना होगा जिस दिन अदालत द्वारा जिरह की जाएगी। मामला 2018 का है, जब बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी पर अपमानजनक टिप्पणियों का आरोप लगाया था, जिसमें कांग्रेस सांसद ने अमित शाह को एक हत्या के मामले में ष्अभियुक्तष

बताया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पहले इस मामले में 20 फरवरी को जमानत दे दी गई थी, जिससे अदालती कार्यवाही में भाग लेने के लिए उनकी श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश बाधित हो गई थी। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने राहुल गांधी को अपना बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था और अनुपालन में विफल रहने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी, क्योंकि वह लगातार 12 सुनवाई में चूक गए थे। पिछली सुनवाई में, राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने अदालत को बताया कि 2 जुलाई को उनकी अनुपस्थिति विपक्ष के नेता के रूप में उनके संसदीय कर्तव्यों के कारण थी। राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत 4 अगस्त, 2018 को बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई टिप्पणी के जवाब में दायर की गई थी। गांधी ने भाजपा पर हमला किया और कहा कि पार्टी ईमानदार और स्वच्छ राजनीति में विश्वास करने का दावा करती है लेकिन उसके पास एक पार्टी अध यक्ष है जो एक हत्या के मामले में अभियुक्त है, शाह का जिक्र करते हुए जो उस समय भाजपा प्रमुख थे। स्थानीय भाजपा नेता और जिला सहकारी अध्यक्ष विजय मिश्रा ने यह आरोप लगाते हुए मामला दायर किया कि गांधी की टिप्पणियां अमित शाह की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रही हैं।

अग्निवीरों को उत्तराखंड में सरकारी नौकरियों में मिलेगा आरक्षण – सीएम

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार ने अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण की घोषणा की है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, सशस्त्र बलों में सेवा करने के बाद लौटने पर अग्निवीरों को उत्तराखंड में सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाएगा। यह घोषणा कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर की गई थी। सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि आरक्षण बढ़ाने के लिए कानून लाया जाएगा। धामी ने आगे कहा कि अभी तक शहीदों के आश्रितों को तभी नियुक्ति मिलती थी जब जिलाधिकारी कार्यालय में ग्रुप सी और डी के पद रिक्त होते थे, लेकिन अब अन्य विभागों में भी उक्त ग्रुप के पदों पर रिक्तियां दी जाएंगी। सैनिक कल्याण विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों को उपनल कर्मियों के बराबर अवकाश दिया जायेगा। उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि शहीदों के परिवारों को दी जाने वाली राशि 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दी जायेगी। अब शहीदों के परिजन दो साल के बजाय पांच साल तक सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन कर सकेंगे। तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के राजनीतिक साहस और दूरदृष्टि को भी याद किया और कहा कि करगिल का युद्ध ऐसा पहला युद्ध है जहां भारत की सेना ने अपने अदमय साहस से मैदान में जीत हासिल की वहीं मेज पर यह युद्ध राजनीतिक नेतृत्व ने भी जीता।

भारत पूरी तरह से जवाबी कार्रवाई में भी विश्वास रखता - नड्डा

नई दिल्ली, एजेसी। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली में कारगिल विजय रजत जयंती समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का एक–एक कार्यकर्ता आज अपने

जिले और इलाकों में फौजी भाइयों और देश के रक्षकों के साथ व जांबाज शूरवीरों के साथ गर्व से कारगिल विजय दिवस मना रहा है। नड्डा ने कहा कि हम लोगों के लिए ये दिन इसलिए भी ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ रजत जयंती के रूप में मना रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि ये विजय सिर्फ कोई टाइगर हिल्स की विजय नहीं थी, ये विजय सिर्फ द्रास सेक्टर की विजय नहीं थी, ये विजय किसी पहाड़ी पर तिरंगे झंडे की विजय नहीं थी...ये भारत के शौर्य और अस्मिता की जीत थी। उन्होंने कहा कि जैसा कि सभी जानते हैं, भारत की पहले हमला न करने की नीति है, लेकिन दुश्मनों द्वारा हमला किए जाने पर भारत पूरी तरह से जवाबी कार्रवाई में भी विश्वास रखता है। जेपी नड्डा ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने कायरों की तरह भारत की सीमाओं में घुसपैठ की और पहाड़ी के ऊपर रणनीतिक स्थानों पर खुद को स्थापित कर लिया। उन्होंने खुद को बंकरों में सुरक्षित कर लिया और चढ़ने की कोशिश करते हुए भारतीय सेना के सैनिकों पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि लगातार हमले के बावजूद भारतीय सेना साहस के साथ उनके सामने खड़ी रही और जवाबी कार्रवाई की। भारतीय सेना ने टाइगर हिल पर पुनः कब्जा कर लिया और वहाँ पर तिरंगा फहराया! उन्होंने कहा कि मैं ये भी बता दूं कि पहले हमारे जवानों की उपेक्षा होती थी। दशकों से हमारे जवानों की मांग थी कि उन्हें वन रैंक वन पेंशन मिले, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब 2014 में मोदी जी आए तो उन्होंने वन रैंक वन पेंशन देने का काम किया। पहले हमारे फौजी भाइयों के हाथ बंधे होते थे, आदेश का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने कहा कि जहां से गोली चले, जिधर से गोली चले... जब तक गोली शांत न हो जाए तब तक रुकना नहीं है... ये बदलता भारत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 तक हमारे पास बुलेट प्रूफ जैकेट नहीं थे, आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत बुलेट प्रूफ जैकेट एक्सपोर्ट कर रहा है, दुनिया को दे रहा है।

करगिल विजय दिवस सशस्त्र बलों की वीरता को श्रद्धांजलि देने का अवसर – मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि करगिल विजय दिवस देश के सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और असाधारण वीरता को श्रद्धांजलि देने का एक अवसर है। युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत को चिह्नित करने के लिए हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। महत्व पूर्ण पहाड़ियों पर कब्जा करने वाले पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे धकेलने के लिए भीषण जवाबी कार्रवाई की थी। करगिल विजय दिवस हमारे सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और असाधारण पराक्रम के प्रति कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा सम्मान प्रकट करने का अवसर है।

केजरीवाल के घर पहुंचीं सीएम ममता, पत्नी सुनीता और उनके माता–पिता से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद

केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और उनके माता–पिता से मिलने उनके आवास पर पहुंचीं। आप सांसद राघव चड्ढा भी मौजूद थे। सुनीता केजरीवाल ने उनका स्वागत किया। उन्होंने केजरीवाल के माता–पिता का आशीर्वाद लिया। मुलाकात की जानकारी देते हुए चड्ढा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी और माता–पिता से मिलने उनके आवास पर पहुंचीं। उन्हें अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य की चिंता है। चड्ढा ने आगे कहा ममता बनर्जी ने संदेश दिया कि संघर्ष की इस घड़ी में वह आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ी हैं। आपको बता दें कि ममता बनर्जी नीति आयोग की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंची हैं। मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक में शामिल होने से एक दिन पहले बनर्जी ने राजधानी में कहा कि इस नीति आयोग को रोकें। यह बैठकें बुलाने के अलावा कुछ नहीं करता। योजना आयोग को वापस लाओ। यह पूछे जाने पर कि वह अपने कुछ गठबंधन सहयोगियों के विपरीत नीति आयोग की बैठक में क्यों भाग ले रही हैं।

पीएम मोदी ने शिंकुन ला टनल का किया शिलान्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। शिंकुला टनल दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनाई जाएगी। इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली नॉर्थ पोर्टल पर ब्लास्ट किया। इसके साथ ही आधिकारिक तौर पर टनल बनाए जाने का काम शुरू हो गया है। ये टनल लद्दाख के कारगिल में बनाई जा रही है। पीएमओ की एक विज्ञप्ति के अनुसार, शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी एक समान ट्यूब सुरंग शामिल है, जिसका निर्माण निमू–पदुम–दारचा रोड पर लगभग 15,800 फीट की ऊंचाई पर किया जाएगा ताकि लेह को सभी मौसम में संपर्क प्रदान किया जा सके। बता दें कि जैसे ही इस टनल के निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा वैसे ही यह विश्व की सबसे ऊंची सुरंग होगी। शिंकुन ला सुरंग न केवल हमारे सशस्त्र बलों और उपकरणों की तीव्र और कुशल

आवाजाही सुनिश्चित करेगी, बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1999 के कारगिल युद्ध में कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लद्दाख के द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान ने इतिहास से कोई सबक नहीं सीखा है और उसने जब भी कोई दुस्साहस किया है, उसे हार का सामना करना पड़ा है। मोदी ने करगिल विजय दिवस के मौके पर द्रास में शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के सैनिकों द्वारा दिया गया बलिदान अमर रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद और छद्म युद्ध के जरिये प्रासंगिक बने रहने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसने जब भी कोई दुस्साहस किया है, उसे हार का सामना करना पड़ा है। मोदी ने कहा, "आज मैं ऐसे स्थान से बोल रहा हूं, जहां से आतंकवाद के आका मेरी आवाज सीधे सुन सकते हैं। मैं आतंकवाद के सरपरस्तों को बताना चाहता हूं कि उनके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

संपादकीय

आंतरिक क्रांति

मैंने प्रकृति शिक्षक और शानदार किताब इंटरटाइडल के लेखक युवान एवेस का एक वीडियो क्लिप देखा। उन्होंने कहा, अच्छी प्रकृति शिक्षा हमारी संस्कृति को मौलिक रूप से बदल सकती है... यह हमें सामाजिक और भावनात्मक रूप से हमारे स्थानीय जीवित दुनिया से जोड़ती है, उन्होंने समझाया कि इसका मतलब है कि हमारी सड़क पर एक पेड़ काटे जाने से हमें दिल पर आघात लगेगा और यह एक अखघ्बार की कहानी बनकर नहीं रह जाएगा। श्स्थानीय जीवित दुनियाश वाक्यांश एक सुंदर अभिव्यक्ति है जो पर्यावरण को स्थानीय बनाती है और मनुष्यों को प्राकृतिक दुनिया के भीतर रखती है। हम ग्रह के रक्षक नहीं हैं, बल्कि इसके दायरे में मौजूद एक तत्व मात्र हैं। चेतना जो हमें अपने श्स्वश, अन्य मनुष्यों के साथ हमारे भावनात्मक संबंधों और प्रकृति के साथ हमारे संबंध का एहसास कराती है, उसे अलग–अलग नहीं रखा जा सकता। यह निर्माण बताता है कि हमारे आस–पास की दुनिया को वास्तव में महसूस करने के लिए, भीतर एक सांस्कृतिक परिवर्तन अपरिहार्य है। संस्कृति भौतिक और अभौतिक छापों का एक जटिल समूह है जिसके धागे इतने जटिल रूप से आपस में जुड़े हुए हैं कि हम उनमें से किसी एक को अलग नहीं कर सकते या समायोजित नहीं कर सकते और यह नहीं मान सकते कि हम बदल गए हैं। हममें से हर कोई ऐसे ही मिश्रित मिश्रण से परिभाषित होता है। बदलाव के लिए इस समझ से पूरी तरह अलग होना होगाय भीतर एक क्रांति की आवश्यकता होगी। जब हम पर्यावरणवाद को ऐसे पुनर्जागरण के संदर्भ में समझते हैं, तो हम एक असहज संघर्ष के दायरे में प्रवेश करते हैं जिसके लिए धैर्य और जानबूझकर कार्रवाई की आवश्यकता होती है। इसके विपरीत, यह समझ पारिस्थितिकी संकट को केवल प्रदूषण की समस्या के रूप में संबोधित करने के खतरों की ओर भी इशारा करती है। यह जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण सक्रियता जैसे वाक्यांशों के सामान्य उपयोग के विपरीत है। मध्यम और उच्च–मध्यम वर्गों के लिए, पर्यावरण सक्रियता एक सुविधाजनक ट्रॉप बन गई है जो उन्हें सार्वजनिक जीवन में स्वच्छ, बेदाग और बिना सोचे–समझे भाग लेने और ऐसा करने के लिए ब्राउनी पॉइंट जीतने की अनुमति देती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पर्यावरण का मुद्दा 'प्रदूषण रोकें', 'प्लास्टिक का उपयोग न करें', 'पेड़ लगाएं' और 'जल संरक्षण करें' जैसे सरल नारे तक सीमित हो गया है। कोई भी इनमें से किसी भी संदेश का खंडन नहीं कर सकता या उनकी तात्कालिकता को अनदेखा नहीं कर सकता। परिणामस्वरूप, जब विशेषाधिकार प्राप्त लोग कपड़े के थैलों का उपयोग करते हुए, कचरे को अलग करते हुए, या अपनी खुद की सब्जियाँ उगाते हुए अपनी तस्वीरें साझा करते हैं, तो पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए उनकी सराहना की जाती है। जबकि ये व्यक्तिगत जीवनशैली परिवर्तन हमारे आस–पास की सफाई में एक संचयी भूमिका निभाते हैं, वे केवल उस भाषा के अक्षर हैं जिन्हें सीखने की आवश्यकता है। अक्षरों को एक साथ आना चाहिए और वस्तुओं के साथ सहसंबंधित श्रव्य और अर्थपूर्ण पैटर्न बनाना चाहिए। इन्हें वाक्यांशों, वाक्यों, निबंधों, कविताओं और गीतों में विकसित होना चाहिए, हमारे जीवन के हर पहलू को अर्थ देना चाहिए, हमारे सभी जीवन को जोड़ना चाहिए, कल्पना, सहानुभूति के लिए जगह खोलनी चाहिए और साथ ही, ज्ञान का निर्माण करना चाहिए। यदि हम सीखने के इस मार्ग का अनुसरण नहीं करते हैं, तो हम एक कोकून में ही रहेंगे, समग्र रूप से जीवन में भाग लेने में असमर्थ और यहाँ तक कि अनिच्छुक भी होंगे। कपड़े के थैले के उपयोग जैसी सक्रियता का खतरा यह है कि यह उन सभी लोगों के लिए एक रास्ता प्रदान करता है जो इस गंदी भाषा को सीखना नहीं चाहते हैं। इस सीख के लिए साहस और इस मान्यता की आवश्यकता है कि हमने एक असमान दुनिया बनाई है और उसमें सक्रिय रूप से भाग लिया है, यह स्वीकार करते हुए कि आज हम जिस आकांक्षात्मक मॉडल का खंडन करते हैं, वह हमारी लालच की उपज है और उन लोगों के लिए चीजों को छोड़ना हमेशा आसान होता है जिनके पास आर्थिक स्थिरता है या जो सामाजिक रूप से जुड़े हुए हैं। जिस क्षण पक्षियों और जल निकायों को वंचितों के जीवन से जोड़ा जाता है और हममें से जो इसे हल्के में लेते हैं, हमें एहसास होता है कि पर्यावरण सक्रियता श्हमने समुद्र तट को साफ कर दियाश वाला प्लेसबो नहीं हो सकता। मैं बार–बार पर्यावरण संरक्षण के उत्साही समर्थकों से मिलता हूं जो जाति, लिंग, नस्ल और रंग के जटिल सवालों से कतराते हैं। कई लोग हाशिए पर पड़े लोगों को अशिक्षित बताते हैं जो दुनिया को गंदा कर रहे हैं। एक व्यक्ति ने एक कहानी सुनाई कि कैसे उनके घर का नौकर महीनों के प्रशिक्षण के बाद भी कचरे को अलग करने से इनकार कर देता है। वे जिस निष्कर्ष पर पहुंचे वह सरल हैरू श्इन लोगों को परवाह नहीं है।श यह तथ्य कि विशेषाधिकार प्राप्त लोग शायद ही कभी अपने द्वारा उत्पन्न कचरे के साथ यात्रा करते हैं, उन्हें श्बाकीश का न्याय करने की अनुमति देता है। एक सामाजिक–प्रदूषण संबंध भी है जिसे वे बनाए रखते हैं। लोगों की सामाजिक, व्यावसायिक और स्थानिक पहचान को स्वच्छता के ग्रेड के साथ रखा जाता है, बिना उन दमनकारी और हाशिए पर डालने वाली प्रथाओं को ध्यान में रखे जो सांस्कृतिक, राजनीतिक और नागरिक प्रणालियों में अंतर्निहित हैं। यह स्वचालित रूप से भेदभाव को उचित ठहराने की अनुमति देता है, जिसे स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं में पैक किया जाता है।

नागरिकों के लिए हालात सही नहीं

मरिआना

पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा अपनी कलम के एक झटके से फरवरी में हुए चुनाव को रद्द कर सकते हैं और अगर ऐसा हुआ, तो पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक, 90 दिनों के भीतर फिर से चुनाव कराने होंगे। यह डर न केवल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के मन में है, बल्कि सुरक्षा प्रतिष्ठान (सेना) भी इससे काफी आशंकित है, क्योंकि अदालत में इमरान खान (जो फिलहाल जेल में हैं) की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए इंसाफ द्वारा दायर मामले की सुनवाई चल रही है, जिसमें नए सिरे से चुनाव कराए जाने की मांग की गई है।

फिलहाल पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट अवकाश पर है और सितंबर में कभी भी अदालत की कार्रवाई शुरू हो सकती है। काजी ईसा इस साल 25 अक्तूबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने साफ कर दिया है कि अगर उन्हें सेवा विस्तार का प्रस्ताव दिया जाता है, तो वे उसे स्वीकार करने में रुचि नहीं रखते हैं। अब पाकिस्तान और विदेश में भी यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि फरवरी में हुए चुनाव के नतीजे निष्पक्ष नहीं थे और सुरक्षा प्रतिष्ठान द्वारा इमरान खान एवं उनकी पार्टी को स्पष्ट जीत से वंचित रखने के लिए हर गलत कदम उठाया गया।

पाकिस्तान के लोगों ने इमरान खान को इसलिए भारी मत दिया,

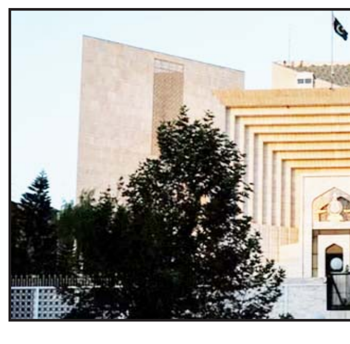

क्योंकि उनके पास जनाधार था। इसके अलावा, लोग शहबाज शरीफ और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की पिछली सरकार से तंग आ चुके थे, जिसके पीछे भयंकर महंगाई और बेरोजगारी प्रमुख वजह थी। शहबाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के कई बड़े और वरिष्ठ नेता चुनाव हार गए। यहां तक कि पीएमएल एन के अध्यक्ष नवाज शरीफ भी बड़ी मुश्किल से अपनी सीट बचा पाए। चुनाव में पीएमएल–एन के खराब प्रदर्शन के कारण नवाज शरीफ ने फिर से प्रधानमंत्री बनने का विचार त्याग दिया। पाकिस्तान में इस समय संस्थाओं में तीखे एवं गंभीर मतभेद हैं। एक तरफ स्वतंत्र सुप्रीम कोर्ट है, जिसने हाल ही में विभिन्न मामलों में पीटीआई को भारी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसले के चलते पीटीआई को नेशनल असेंबली में सीटें वापस मिल गईं, जो चुनाव आयोग द्वारा सत्तारूढ़ पार्टी को दे दी गई थीं। शुक्र है कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सहमति जताई है। दूसरी तरफ, सुरक्षा प्रतिष्ठान स्पष्ट रूप से सुप्रीम कोर्ट से नाराज है, क्योंकि वह नहीं चाहता कि इमरान खान या उनकी पार्टी पीटीआई को कोई राहत मिले। वास्तव में, इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा खान के खिलाफ कई मामले अदालतों में हैं और उन्हें जेल में रखने के लिए रातों–रात नए मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इमरान खान का जेल से बाहर रहना, दोनों पक्षों के लिए खतरा है। अगर फिर से चुनाव होते हैं, तो इमरान खान दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल करेंगे। सुरक्षा प्रतिष्ठान ने गलत कार्ड खेला। इमरान खान को प्रताड़ित करके और पूरे मुल्क में उनके कार्यकर्ताओं को परेशान करके उन्होंने इमरान खान को सुपर हीरो बना दिया। संयुक्त राष्ट्र, अमेरिकी संसद (दोनों दलों ने भारी बहुमत से समर्थन किया) और हाल ही में ब्रिटेन की हाउस ऑफ कॉमन्स ने भी इमरान खान का समर्थन किया है। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ और सुरक्षा प्रतिष्ठान एकमत हैं। इसलिए सबकी नजरें सुप्रीम कोर्ट की तरफ लगी हैं कि वह सितंबर में क्या फैसला सुनाता है। चूंकि कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं है, इसलिए राजनीतिक उथल–पुथल के चलते मुल्क में अस्थिरता पैदा हो रही है। हालांकि आपातकाल घोषित करने या मार्शल लॉ थोपे जाने की चर्चा चल रही है, लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। हालांकि पाकिस्तान पहले भी ऐसी स्थिति से गुजर चुका है। लेकिन यह 2024 है और अब ऐसा होना असंभव लगता है। लेकिन जैसा कि कई लोग पूछते हैं कि इसका समाधान क्या है, खासकर ऐसे समय में, जब पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक है। यदि सर्वोच्च न्यायालय इस तरह के फैसले देता है, तो शहबाज शरीफ सरकार नेशनल असेंबली में अपना दो तिहाई बहुमत खो देगी और वह अल्पमत की सरकार बन जाएगी, जिसका अर्थ यह होगा कि वह संविधान में कोई बदलाव नहीं कर पाएगी। सुरक्षा प्रतिष्ठान भी शहबाज शरीफ सरकार से तंग आ चुका है, जैसा कि इस हफ्ते इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन्स (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट हुआ, जिसने सबको हैरान कर दिया, क्योंकि इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के बजाय राजनीति पर अधिक जोर दिया गया था। इसके अलावा पिछले कुछ महीनों में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कई आतंकवादी हमले हुए हैं, जिनमें कई सैनिकों और नागरिकों की मौत हुई है। कई लोगों का मानना है कि सुरक्षा प्रतिष्ठान राजनीतिक जोड़–तोड़ में इतना उलझा हुआ है कि राष्ट्रीय सुरक्षा की गंभीर चुनौतियों से निपटने की उसकी क्षमता बहुत कमजोर हो गई है। यह जनता के बढ़ते संदेह का भी कारण है, जो बन्नू विरोध प्रदर्शनों में दिखा। यह विडंबना है कि पाकिस्तानी सेना को मुल्क की जनता के गुस्से का निशाना बनना पड़ा।

राजनीतिक विश्लेषक एवं लेखक जाहिद हुसैन का कहना है, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी का राजनीतिक दबाव ही सुरक्षा प्रतिष्ठान को और अधिक विवादास्पद बना देगा। सवाल उठता है कि आखिर इस दबाव का उद्देश्य क्या था। ऐसे समय में प्रवक्ता की टिप्पणी के गंभीर राजनीतिक निहितार्थ हैं, जब मुल्क को आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए राजनीतिक तापमान को कम करने की सख्त जरूरत है।

दरअसल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय सरकार की आलोचना की, जहां कुछ क्षेत्रों से आतंकवादियों को खदेड़ दिए जाने के बावजूद नागरिकों के लिए सही परिस्थितियां नहीं बनाई जा सकी हैं। उन्होंने कहा कि पुनर्निर्माण सेना का काम नहीं है। उन्होंने पिछले वर्ष नौ मई को बगावत में शामिल लोगों के खिलाफ मामले को नहीं बढ़ाने के लिए न्यायपालिका को भी दोष दिया। उन्होंने संघीय सरकार पर डिजिटल आतंकवाद पर नियंत्रण करने में विफल रहने का आरोप लगाया, जिसके चलते सोशल मीडिया पर सेना की तीखी आलोचना की जाती है। हालांकि सरकार ने पहले ही मुल्क में एक्स (ट्विटर) पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे में फिलहाल यह अनुमान लगाना कठिन है कि पाकिस्तान में ये सारे मामले अंततः कैसे सुलझेंगे।

भारत की 'रणनीतिक स्वायत्तता' पर एक अराजनयिक तूफान

विनोद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में मॉस्को यात्रा के तुरंत बाद, जब दिल्ली में वाशिंगटन के प्रतिनिधि एरिक एम. गार्सेटी ने अपने मेजबान देश को निशाना बनाते हुए एक बेहद असामान्य और गैर–कूटनीतिक बयान दिया, जिसमें उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत अपने अब के करीबी साथी, संयुक्त राज्य अमेरिका को हल्के में ले रहा है, जबकि वह रूस के साथ अपने संबंधों में रणनीतिक स्वायत्तता का अनुसरण कर रहा है, तो बिडेन प्रशासन वास्तव में किस तरह का संदेश भेज रहा था? एरिक गार्सेटी कोई साधारण राजनयिक नहीं हैंय वे औपचारिक वाक्यांश का उपयोग करने के लिए, भारत गणराज्य में संयुक्त राज्य अमेरिका के असाधारण और पूर्णाधिकारी राजदूत हैं। इसलिए, उनकी टिप्पणियों को किसी जूनियर राजनयिक या किसी छोटे अधिकारी द्वारा की गई नाराजगी के रूप में नहीं देखा जा सकता। जब वे बोलते हैं, तो यह संयुक्त राज्य अमेरिका बोलता है, न कि कोई गुस्साए नौजवान। इसलिए भारत की नीति पर उनकी टिप्पणियों की सावधानीपूर्वक जांच की आवश्यकता है। ष्(भारत–अमेरिका) संबंधों को हल्के में न लें... इसमें कुछ करें। यह शादी की तरह है। इस रिश्ते में एक–दूसरे की बात सुनें। लेकिन वास्तव में इस रिश्ते को कौन ष्हल्के मेंष ले रहा है? और अगर यह शादी की तरह है, तो पति कौन है और पत्नी कौन है? और क्या ऐसा नहीं हुआ है, यहां तक घ्कि एक ष्सफल शादीष में भी, कि जोड़े ने हमेशा ष्एक–दूसरे की बात नहीं सुनीष? श्री गार्सेटी कहते हैंरू ष्मुझे पता है कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पसंद करता है... लेकिन संघर्ष के समय में रणनीतिक स्वायत्तता जैसी कोई चीज नहीं होती हैष। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और भारत के 1.4 बिलियन लोगों के लिए सीधा खतरा है। इसका प्रभावी रूप से मतलब है कि ष्पश्चिम में संघर्ष के समय आपको मेरे हुक्म का पालन करना होगा, और रणनीतिक स्वायत्तता का आपका व्यवसाय अमेरिकी हितों के लिए किसी काम का नहीं हैष। भारत को यह याद रखना चाहिए कि अमेरिकी हित सर्वोच्च हैं, और कोई भी उसके फतवों को नजरअंदाज करने की हिम्मत नहीं कर सकता। जबकि भारत और अमेरिका आज क्वाड और कई अन्य मंचों में रणनीतिक साझेदार हैं, राजदूत को अच्छी तरह से पता होना चाहिए कि कई स्थितियों में, करीबी सहयोगी भी असहमत होने के लिए सहमत हो सकते हैं। विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजदूत की टिप्पणियों पर अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में दोहराया कि नई दिल्ली अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता है और दोनों देश "कुछ मुद्दों पर असहमत होने पर सहमत हो सकते हैं, जबकि एक–दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करते हैं"। मंत्रालय के प्रवक्ता ने रिकॉर्ड पर कहारू "अमेरिकी राजदूत को अपनी राय रखने का अधिकार है। जाहिर है, हमारे विचार अलग–अलग हैं। अमेरिका के साथ हमारी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी हमें एक–दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करते हुए कुछ मुद्दों पर असहमत होने पर सहमत होने की जगह देती है।" राजदूत ने कहा कि "निंदात्मक गणना" को भारत और अमेरिका के बीच "विश्वसनीय संबंध" के रूप में नहीं देखा जा सकता है, यह टिप्पणी नई दिल्ली के लिए एक स्पष्ट चेतावनी के रूप में देखी गई, जबकि भारत के साथ अमेरिका के संबंध "पहले से कहीं अधिक गहरे" हैं, लेकिन वे "अभी भी पर्याप्त गहरे नहीं हैं"।

सभी खातों से, अमेरिकी राजदूत एक विद्वान व्यक्ति हैं जो सार्वजनिक जीवन में लगभग तीन दशकों से अंतरराष्ट्रीय मामलों और भू–राजनीति की बारीकियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। इस प्रकार, जब वे कहते हैं कि ष्अमेरिका और भारत को एक साथ मिलकर काम करना होगा और युद्ध के खिलाफ सैद्धांतिक रूप से एक स्टैंड लेना होगाष, तो क्या उन्हें याद है कि भारत 1947 से ही युद्ध के खिलाफ खड़ा रहा है, भले ही चीन और पाकिस्तान द्वारा बार–बार हमले और भूमि हड़पने का सामना करना पड़ा हो? क्या अमेरिका अक्सर पाकिस्तान के मामले में दूसरी तरफ नहीं देखता था? क्या यह सच नहीं है कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, जो एक दर्शन के रूप में गुटनिरपेक्षता के संस्थापक और संरक्षक थे, जिन्होंने ष्पंचशीलष या शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के पाँच सिद्धांतों की अवधारणा गढ़ी थी, की नीति का पालन हर आने वाली भारतीय सरकार ने वैचारिक मतभेदों के बावजूद किया है?संयुक्त राज्य अमेरिका अच्छी तरह से जानता है कि भारत के पास महत्वपूर्ण विकास और अन्य आर्थिक प्राथमिकताएँ हैं, जिसके लिए उसे अपने हितों में काम करने की आवश्यकता है, और अपने विशाल आकार और जनसंख्या के कारण इसे यूरोप या एशिया के छोटे देशों के बराबर नहीं माना जा सकता है। युद्ध के बारे में कोई भी विचार भारत के विकास को धीमा कर देगा, और इसलिए यह पश्चिम के चल रहे दोहरे युद्धों के किसी भी उग्रवादी खेमे का पक्ष नहीं बन सकता है। आज भारत की ष्रणनीतिक स्वायत्तताष मजबूरी से प्रेरित है, न कि पसंद से। अगर भारत को दुनिया में कहीं से भी प्रतिस्पर्धी मूल्य पर तेल, गैस, उर्वरक आदि मिलते हैं, तो नई दिल्ली को ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए? यह विचार कि अमेरिका और भारत ष्एक दिल वाले दो देश हैं के बावजूद, क्या भारत अपनी सभी ऊर्जा जरूरतों को पश्चिम से रियायती मूल्य पर पूरा कर सकता है? फरवरी 2022 में यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण और उसके बाद पश्चिम में रूसी तेल और गैस की आपूर्ति बंद होने के बाद यूरोप का क्या हुआ, इसे देखें। देखें कि वैश्वीकरण का क्या हुआ। यह पश्चिम के दिमाग की उपज थी, जिसे भविष्य के सभी युद्धों से बचने के लिए सही समाधान माना जाता था क्योंकि सोवियत संघ टूट गया और शीत युद्ध इतिहास बन गया।

बारिश का बदलता मिजाज डराने वाला

जयसिंह

भारतीय मौसम विभाग ने इस साल के मानसून में सामान्य से छह प्रतिशत अधिक वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। सरसरी तौर पर देखें,घ्तो इस मानसून में छह फीसदी अधिक वर्षा की स्थिति सामान्य लग रही है। लेकिन मौसम विभाग के आंकड़ों पर ही गहराई से चिंतन करें, तो स्थिति कतई सामान्य नहीं है। देश के कुछ हिस्सों में पूर्वानुमान से कहीं अधिक वर्षा ने आफत मचा रखी है, जबकि कुछ हिस्सों के किसान पानी के लिए तरस रहे हैं। सामान्य से अधिक या सामान्य से कम, दोनों ही स्थितियां चिंता पैदा करने वाली हैं। मौसम विभाग सहित विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के अध्ययनों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का पैटर्न निरंतर बदल रहा है, जिससे न केवल खेतीबाड़ी पर, बल्कि देश की आर्थिकी, स्वास्थ्य और बढ़ती दैवी आपदाओं के कारण जनधन की सुरक्षा पर भी असर पड़ रहा है। मौसम विभाग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस साल के मानसून में एक जून से लेकर 21 जुलाई तक देश के 244 जिलों में सामान्य वर्षा हुई, जबकि 241 जिलों में सामान्य से कम। 42 जिलों में सामान्य से बहुत कम और 76 जिलों में सामान्य से अत्यधिक कम वर्षा दर्ज हुई है। 121 जिलों में सामान्य से थोड़ी अधिक वर्षा हुई है। उत्तर प्रदेश के पांच जिलों में अतिवृष्टि, नौ में सामान्य से अधिक, 27 में सामान्य, तो 27 जिलों में सामान्य से कम और छह जिलों में जबर्दस्त सूखे जैसी स्थिति है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सामान्य से 49 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। पंजाब और जम्मू–कश्मीर में भी क्रमशः 46 प्रतिशत और 38 प्रतिशत की भारी कमी है और ऐसा ही उत्तर प्रदेश में 34 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। केरल के अलावा, अन्य दक्षिणी राज्यों में ज्यादातर अधिक या सामान्य वर्षा हुई है। मौसम विभाग ने सन 1989 से लेकर 2018 तक दक्षिण पश्चिम मानसून के जून से लेकर सितंबर तक के आंकड़ों के आधार पर 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में दर्ज मानसूनी वर्षा की परिवर्तनशीलता का जो विश्लेषण किया है, उसमें गत 30 वर्षों की अवधि में देश के विभिन्न हिस्सों में वर्षा के वितरण में भारी असमानता उजागर हो रही है। इस विश्लेषण में उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मेघालय और नगालैंड में 1989–2018 के दौरान दक्षिण–पश्चिम मानसून की वर्षा में काफी कमी का रुझान दिखाया गया है। अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के साथ–साथ इन पांच राज्यों में वार्षिक वर्षा में भी काफी कमी का रुझान दिखाई देता है।पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने हाल ही में 'भारतीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का आकलन' शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जो देश में जलवायु चरम सीमाओं सहित क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन पर प्रकाश डालती है।

एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट

संजय

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट 2024–25 पेश किया लोकसभा चुनाव में रोजगार के मुद्दे पर झटका खाई मोदी सरकार ने पांच योजनाओं से 4.1 करोड़ युवाओं को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा है आजादी के 100 साल पूरे होने तक विकास का गोल्ड मेडल जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही एनडीए सरकार ने टीम मोदी की मजबूती बनाए रखने के लिए साथ ही सहयोगी दलों की मांगों को पूरा करने पर भी जोर दिया है बजट में आगामी विधानसभा चुनाव वाले चार राज्यों हरियाणा झारखंड महाराष्ट्र जम्मू कश्मीर के लिए कोई खास घोषणा नहीं दिखाई दी वहीं नौ प्राथमिकताओं की घोषणा कर आर्थिक मोर्चे पर लगातार आगे बढ़ने का संकल्प जताया। सरकार ने किसानों व कृषि क्षेत्र के साथ ही महिलाओं के लिए तोहफा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के अतिरिक्त वेतन भोगियों को मानक छठ में बढ़ोतरी देकर राहत दी है। अपने दिए गए बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत अपनी आर्थिक वृद्धि के दम पर विश्व में एक चमकता सितारा बना हुआ है और आने वाले वर्षों में भी ऐसी ही स्थिति बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा प्रस्तुत बजट के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा अंतरिम बजट में हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए विस्तृत रोड मैप प्रस्तुत करने का वादा किया था बजट में सभी के लिए भरपूर अवसर का सृजन करने के लिए 9 प्राथमिकताओं के संबंध में सतत प्रयासों की परिकल्पना की गई है घोषित योजना पर कायम रहते हुए चालू वित्त वर्ष में 48.21 लाख करोड़ के व्यय की व्यवस्था की गई है राजकोषीय घाटे को जीडीपी का 4.9: तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आर्थिक वृद्धि के सामने कई बाहरी और आंतरिक चुनौतियों बनी हुई हैं और इन चुनौतियों से महंगाई बढ़ने का खतरा है इसके बावजूद भारत की मुद्रास्फीति कम और स्थिर बनी हुई है और 4: लक्ष्य की ओर बढ़ रही है वह कर महंगाई 3.1 पर है। आईए विश्लेषण करने की कोशिश करते हैं कि बजट में आम आदमी को क्या मिला केंद्रीय बजट इस बार युवा महिला और गरीब किसान को समर्पित है गरीब के लिए पूर्व की भांति 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज मिलता रहेगा। मजदूर आवास योजना की घोषणा गरीब कल्याण की दिशा में बड़ा कदम है एमएसएमई के लिए भी अनेक घोषणाएं हैं स्टार्टअप के लिए ऋण सीमा 10 लाख से बढ़कर 20 लख रुपए कर दी गई है भारत में स्टार्टअप योजना विश्व में तीसरे नंबर पर है इस योजना से उसे और अधिक मजबूती मिलेगी आधारभूत ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए पिछली बार जहां 7.5 लाख करोड रुपए का प्रावधान किया गया था इसे बढ़ाकर 11,11,111 करोड रुपए किया गया है व्यक्तिगत आय में छूट वह विदेशी कंपनियों के कॉरपोरेट टैक्स में कमी के साथ उपभोक्ता वस्तुओं में भी कर की छूट दी गई है बजट में हर वर्ग को देने की कोशिश की गई है बजट में बिना कर लगाए समस्त कल्याणकारी योजना को जारी रखना एक चुनौती को स्वीकार करने के बराबर रहेगा। प्रस्तुत बजट में युवाओं को ध्यान में रखकर 1000 प्रशिक्षण केदो की स्थापना करना देश की 500 अग्रणी कंपनियों के माध्यम से एक करोड़ शिक्षित युवाओं को इंटरनेट से करवाना ई वाउचर से रू1 लाख रुपए तक का ऋण देना और स्किलिंग के लिए 7.5 लाख रुपए का ऋण की 20 लाख युवाओं की सरकार की गारंटी देना इस बात के प्रमाण है कि यह बजट युवाओं पर ज्यादा फोकस रखते हुए बनाया गया है जिसमें शिक्षा के लिए 10 लाख के बजट पर 3: ब्याज की छूट भी उच्च शिक्षा और दक्षता प्रोत्साहन के लिए सराहनीय कदम है। लघु और छोटे उद्योगों को 100 करोड़ का लोन बिना प्रतिभूति और व्यक्तिगत जमानत के आधार पर सरकारी गारंटी मिलना महत्वपूर्ण घोषणा है क्योंकि इन उद्योगों का देश के रोजगार, तरक्की और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान है युवा यहां इंटर्नशिप के साथ 5000 भत्ता प्रतिमाह मिलेगा। राष्ट्रीय डिजाइनर नवाचार नेटवर्क की स्थापना का प्रावधान और 20 नई डिजाइनर केंद्र खोलने की योजना एक ओपन स्कूल के साथ शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को कम ब्याज पर लोन की सुविधा प्रदान की गई है । इस बार शिक्षा का बजट पिछले बजट 1,08,878 की तुलना में 1,25,638 बढ़ाया गया है शोधार्थियों के लिए साइंस टेक मैं पीएचडी की सुविधा की गई है रोजगार बढ़ेंगे संस्थान सुधरेंगे और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा नेशनल हाईवे वन स्टेशन से लॉजिस्टिक और छोटे उद्योगों को फायदा मिलेगा नए व्यावसायिक कोर्स शुरू किए जाएंगे और 5 साल में बुनियादी ढांचा मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जाएगा रोजगार के लिए तीन योजनाए प्रारंभ की जाएगी पहली बार रोजगार पाने वालों के लिए घ100000 से कम वेतन होने पर ईपीएफओ में पहली बार रजिस्टर करने पर 15000 रुपए तीन किस्तों में राशि ट्रांसफर होगी जिसका 2 करोड़ 10 लाख लोगों को फायदा होगा विकास की आवश्यकताओं के लिए विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए विदेशी कंपनियों पर कॉर्पोरेट दर को 40: से घटकर 35: किया गया है। शहरी नियोजन की दिशा के तहत शेरों को स्मार्ट बनने पर फोकस किया गया है 30 लाख से ज्यादा आबादी वाले 14 बड़े शहरों के लिए आवागमन सुविधा का विस्तार किया जाने का प्रावधान है विकास केदो के रूप में शेरों को विकसित करने को आसपास के क्षेत्र का सुव्यवस्तीकरण करने का प्रावधान है पीएम आवास योजना शहरी 2.0 में 10 लाख करोड़ से एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को आवास दिए जाने का प्रावधान है आवासों के लिए आगामी 5 वर्षों में 2.2 लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता और दी जाएगी यातायात को सुगम बनाने की दिशा में एक्सप्रेस वे का जाल पूरे देश में फैलाने की योजना के तहत कार्य किया जाएगा। देश के पूर्वी राज्य बिहार झारखंड पश्चिम बंगाल उड़ीसा और आंध्र प्रदेश को शामिल करते हुए देश के पूर्वी क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए पूर्वोदय योजना तैयार की जाएगी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना लागू की जाएगी।

शासन से बाढ़ पीड़ितों को राहत देने की सपा ने उठाई मांग

– पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज चौबे ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम तरबगंज को सौंपा

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

गोण्डा। तरबगंज विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज चौबे ने शुक्रवार को पूर्वाह्न पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एसडीएम विशाल कुमार से मिलकर तहसील क्षेत्र में बाढ़ से पीड़ित किसानों व नागरि क्षयकों को मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मांग किया गया है कि पिछले दिनों लगातार हुई तेज बारिश से तरबगंज तहसील क्षेत्र के दर्जनों ग्राम पंचायतों के अनेक मजरे सरयू नदी में आए बाढ़ से प्रभावित हो गये हैं जिससे बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के किसानों मजदूरों की समस्याएं बढ़ गई हैं। किसानों की फसलें नष्ट हो गई हैं और मवेशियों के चारे की समस्या बढ़ गई है। आवागमन के लिए सड़क रास्ते क्षतिग्रस्त हो जाने से नागरिकों को भारी दुश्वारियां उठानी पड़ रही हैं। बाढ़ से ढेमवाघाट सम्पर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे इस सड़क मार्ग से लाखों लोगों को आवागमन रुक गया है।इस सम्पर्क मार्ग का तत्काल पुनर्निर्माण कराने की व्यवस्था की जाए। जल के समुचित निकास के लिए पुलिया की व्यवस्था भी की जाए

बाढ़ग्रस्त क्षेत्र की जनता में निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण एवं किसानों को फसल की हुई नुकसान के लिए समुचित मुआवजा दिए जाएं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में विद्युत की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ट्रांसफार्मर की देखभाल के साथ सायंकालीन कटौती बंद की जाए।

तहसील क्षेत्र के प्राथमिक व जूनियर विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए ड्रेस का अनुदान अविलम्ब खातों में भेजी जाए।

मांग पत्र में मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया है कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्र की जनता के सहायतार्थ जनहित में उठाए गए मांग पर तत्काल राहत कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मांगपत्र प्रस्तुत करने वालों में देवमणि तिवारी, अंकुर तिवारी,रिंटू सिंह, दिलीप पांडे,रमेश चौबे, अंकित पांडे, बबलू चौबे आदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वीर जवानों का बलिदान ही कारगिल विजय - गिरीश चंद्र

मोहम्मद हसन पीजी कालेज में कारगिल शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पीजी कालेज में शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि युवा,खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कारगिल में शहीद हुए वीर जवानों के साहस, बलिदान,जज्बा, हौसलों को याद करने का दिन है। उनके बलिदान से हमारा देश सुरक्षित है। हम उन वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देते हैं।

विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह (कीर्ति चक्र) ने कहा कारगिल बड़ा युद्ध था जिसमें देश के 565 जवानों ने अपने बलिदान दिए। उन सभी जवानों को आज इस मंच से हम सब नमन करते हैं। वीर जवान हमेशा अपने देश की सुरक्षा के प्रति समर्पित होने के लिए तत्पर रहता है। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने अंगवस्त्रम स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। कह कि वीर जवानों के बलिदान संघर्ष एवं कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता। वीर जवानों की शहादत एक मिसाल है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में टीडी कॉलेज एवं मोहम्मद हसन कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने अतिथियों को सलामी दी समारोह मे छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन भी वितरण किया गया। धन्यवाद जेएमएस ग्रुप के चेयरमैन जितेन्द्र यादव और संचालन अहमद अब्बास खान ने किया। इस मौके पर नोडल अधिकारी डॉ कमरूद्दीन शेख, आर. पी.सिह,डॉ जीवन यादव, डॉ के के सिंह,डॉ ममता सिंह, डॉ ज्योत्सना सिंह,डॉ नीलेश सिंह,डॉ शाहिदा परवीन,डॉ प्रेमलता गिरी,डॉ अभिषेक श्रीवास्तव,डॉ सलीम खान,डॉ अंकिता श्रीवास्तव,डॉ इलियास अहमद,संतोष सिंह, प्रवीण यादव, अंकित यादव, तकरीम फातिमा, अदिति मिश्रा,सोनम विश्वकर्मा अन्य मौजूद रहे।

लोहिया पार्क के बाहर टेंडर को लेकर आम आदमी पार्टी ने क्या प्रदर्शन, डीएम को सौंपा गया ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओ ने जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना की अध्यक्षता में सरकार के खिलाफ एवं जिला प्रशासन के खिलाफ कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए जिला अधिकारी को ज्ञापन सौपा ।जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना ने कहा कि लोहिया पार्क बाउंड्री के बाहर जो फुटपाथ है उसको टेंडर देने का काम जिला प्रशासन ने किया है क्योंकि वहां गरीब ठेला एवं खुमचा लगाते हैं और सरकार हर तरफ अगर टेंडर दे देगी तो यह गरीब ठेला वाले कहां जाएंगे अगर यह टेंडर वापस नहीं लिया गया तो आम आदमी पार्टी सड़कों पर जन आंदोलन करेगी और भूख हड़ताल भी करेगी। इसी क्रम में जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव ने कहा कि यह सरकार किसान विरोधी सरकार है नौजवान विरोधी सरकार है इसी क्रम में जिला कार्यकारी सदस्य शशिधर चौहान ने कहा कि अगर इन गरीब ठेला वालों को न्याय नहीं मिलेगा तो आम आदमी पार्टी सड़कों पर जन आंदोलन करेगी इसी क्रम में जिला कोषाध्यक्ष डॉ दिवाकर मौर्य ने कहा कि यह सरकार दलित विरोधी ओबीसी विरोधी सरकार है इसको हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगेआज के कार्यक्रम में शामिल साथी जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह मुन्ना जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव जिला सचिव शैलेंद्र यादव यूथ विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष आशुतोष मौर्या नगर अध्यक्ष विशाल यादव पंचायत प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मनीष सिंह जिला कोषाध्यक्ष डॉक्टर दिवाकर मौर्य जिला कार्यकारी सदस्य शशिधर चौहान छात्र बिग अध्यक्ष अरविंद यादव किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष अमर बहादुर यादव रमेश यादव सुजीत यादव अवनीश अजीत प्रभात राघवेंद्र विशाल दिलीप सरोज केपी गुप्ता श्यामलाल पटेल यूथ बिग के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र यूथ बिग के महासचिव जियालाल राजेश कुमार यादव राजू कुमार बृजेश कुमार मल्हनी विधानसभा अध्यक्ष सूरज कनौजिया शिवकुमार विशाल मौर्य अनिल कुमार यादव सदर विधानसभा अध्यक्ष सर्वेश एडवोकेट रविंद्र यादव वीरेंद्र पाल मनीष प्रजापति अंकुश अग्रहरि मल्हनी जिला सचिव आनंद यादव नवीन प्रजापति अतुल प्रकाश यादव आशीष निषाद राजेश मौर्य कमलेश धर्मेंद्र कुमार अंबेश मौर्य अमन कुमार गुप्ता आशीष निषाद पंचायत प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष सुजीत शर्मा पंचायत प्रकोष्ठ जिला सचिव आदि लोग मौजूद रहे।

बैनर पोस्टर के माध्यम से भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों को जागरूक कर रही एंटी करप्शन टीम

अयोध्या। जिले में घूस लेकर मोटी कमाई करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों पर पैनी नजर एंटी करेप्शन टीम पड़ गई है। शुक्रवार को सरकारी व कार्यालयों के साथ साथ सार्वजनिक स्थानों पर प्रभारी निरीक्षक एंटी करप्शन राय साहब द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ बैनर,पोस्टर लगवाया ।उन्होंने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट,एसएसपी कार्यालय, बीएसए कार्यालय, विकास भवन, एआरटीओ कार्यालय, बिजली विभाग, तहसील, स्वास्थ्य विभाग,आयकर विभाग सहित कई कार्यालयों पर बैनर–पोस्टर लगवाया। इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि अगर किसी भी सरकारी विभाग में किसी अराजपत्रित अधिकारी व कर्मचारी द्वारा सरकारी कार्य करने की एवज में रिश्वत की मांग की जाती है तो वे बेहिचक किसी भी समय उनके मोबाइल नंबर 9454401900 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।या फिर सीधे उनके कार्यालय पर आकर उनसे संपर्क कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि आपके द्वारा दी गई सूचना को विभाग द्वारा गोपनीय रखी जाएगी।

थाना दिवस में आईं कुल 25 शिकायतें, केवल 01 का हुआ मौके पर निस्तारण'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' थाना पाली में आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान 25 शिकायतें प्राप्त हुई इनमें से 01 शिकायत का मौके पर ही निस्तारण हो सका। शनिवार को थाना परिसर में अतिरिक्त निरीक्षक वहीद अहमद की अध्यक्षता एवं उपनिरीक्षक रामऔतार की मौजूदगी में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। अतिरिक्त निरीक्षक वहीद अहमद ने थाना समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों की शिकायतें बड़ी गंभीरता से सुनी। सभी 25 शिकायतों में 15 शिकायतें राजस्व विभाग से 09 शिकायतें पुलिस से संबंधित तथा 01 शिकायत पाली नगर पंचायत से संबंधित थी। राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों में से केवल 01 शिकायत का मौके पर निस्तारण हो सका। शेष सभी राजस्व विभाग से संबंधित शिकायती प्रार्थना पत्र मौजूद राजस्व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ निस्तारण हेतु सौंप दिये गये। पुलिस से संबंधित शिकायतें, फरियादियों द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्रों में से किसी एक का भी निस्तारण मौके पर नहीं हो सका। अतिरिक्त निरीक्षक वहीद अहमद ने कहा कि जल्द से जल्द पुलिस से संबंधित सभी शिकायतों का निस्तारण पारदर्शिता के साथ कर दिया जायेगा। किसी भी फरियादी को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। पुलिस अपना काम ईमानदारी और सुचितापूर्ण करेगी। थाना समाधान दिवस के अवसर पर सवायजपुर तहसील से राजस्व विभाग के तीन राजस्व निरीक्षक व पांच लेखपाल उपस्थित रहे लेकिन इस अवसर पर शाहाबाद तहसील से कोई राजस्व कर्मचारी मौजूद नहीं रहा।

डा. कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी में आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई गयी। इस अवसर पर स्कूल परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। संस्थान के निदेशक श्री मनीष सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. कलाम सिर्फ एक वैज्ञानिक नहीं थे, बल्कि वे एक महान शिक्षक और प्रेरक भी थे। डॉ. कलाम हमेशा बड़े सपने देखते थे और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते थे। उन्होंने हमें सिखाया कि हमें कभी भी अपने सपनों को छोड़ना नहीं चाहिए और उन्हें पूरा करने के लिए हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए।

इस अवसर पर संस्थान की उपनिदेशक श्रीमती निशा सिंह, सह निदेशक श्रीमती कुसुम बत्रा और सह निदेशक श्री डी के सिंह समेत विद्यालय के छात्र–छात्राएं और शिक्षक उपस्थित थे।

पिछले पांच महीनों में एंटी करप्शन टीम के हत्थे चढ़े चार घूसखोर कर्मी

(डॉ अजय तिवारी

जिला संवाददाता)

अयोध्या। एंटी करेप्शन टीम ने विभिन्न विभागों में तैनात उन अराजपत्रित कर्मचारी व अन्य कर्मियों पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया है जो किसी भी व्यक्ति से उनके सरकारी कामों के करने के एवज में रिश्वत लेने का काम कर रहे हैं।यह जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक एंटी करेप्शन थाना अयोध्या रेंज अयोध्या राय साहब द्विवेदी ने बताया कि एंटी करेप्शन टीम ने रेंज के पांच पिछले छः महीने में शिकायत कर्ता से घूस लेते हुए चार घूसखोर कर्मियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। वही तीन घूसखोर कर्मी किसी कारण वश इनकी गिरफ्त में नहीं आये। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक घूसखोर के मामले में अम्बेडकर नगर जिले से दो सरकारी कर्मी गिरफ्तार किए गए।उन्होंने बताया कि 31 जनवरी को शिकायत कर्ता महावीर वर्मा पुत्र वंशु के शिकायत पर एंटी करेप्शन टीम ने जलालपुर अम्बेडकर नगर क्षेत्रीय लेखपाल राम यश पुत्र निनकू राम को 4000 रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। वही 19 फरवरी को शिकायत कर्ता मनोज कुमार पुत्र गया प्रसाद द्वारा दिए गए शिकायत पर बीकापुर तहसील में लेखपाल पद पर तैनात मोती लाल यादव पुत्र ज्वाला प्रसाद को 5000 रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।इसके अलावा 15 मार्च को विनोद कुमार पुत्र लालमणि गुप्ता के शिकायत पर एंटी करेप्शन टीम ने कार्यालय जिला विकास अधिकारी अम्बेडकर नगर में संप्रति नाजिर (वरिष्ठ सहायक) वीरेंद्र सिंह पुत्र श्याम नारायण को 10000 रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि 11 जून को शिकायत कर्ता मनोज आनंद पुत्र स्वर्गीय श्री धनि राम के शिकायत पर एंटी करेप्शन टीम ने बाराबंकी जिले के नवाबगंज में तैनात लेखपाल मनोज कुमार सिंह पुत्र राम नरेश सिंह को 5000 रुपये घूस लेते हुए गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि वे अपने टीम के साथ इस समय रेंज के अयोध्या,अम्बेडकर नगर, सुल्तानपुर,अमेठी व बाराबंकी जिलों में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को पंपलेट,बैनर, पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरुक कर रहे है।

राज्य मंत्री ने सद्भावना पुल से होते हुए हनुमान घाट और बजरंग घाट के सौंदर्यीकरण कार्य का किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड के साथ नमामि गंगे के द्वारा कराये जा रहे सद्भावना पुल से होते हुए हनुमान घाट और बजरंग घाट के सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मा. राज्य मंत्री के द्वारा कार्य के प्रगति के संबंध में जानकारी ली गई। उन्होंने निर्देश दिया कि सद्भावना पुल से हनुमान घाट तक मोटे पत्थर की सड़क और नाली बनाया जाए और घाट के किनारे हरे पौधे लगाए जाएं इसके साथ ही हनुमान घाट पर जमीन चिन्हित कर चेंजिंग रूम, शौचालय बनवाए जाने के निर्देश मा.राज्य मंत्री जी के द्वारा दिए गए । उन्होंने निर्देश दिया कि घाट पर अतिक्रमण हटाया जाए और पार्किंग की व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया है कि सद्भावना से शास्त्री ब्रिज तक दोनों तरफ के घाट बनाए जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। घाटो को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित किया जा रहा है। मा. राज्यमंत्री जी ने जनपद वासियों से अपील की है कि जनपद को स्वच्छ रखने में सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है ,इसलिए कूड़े को उचित स्थान पर रखें और जनपद को स्वस्छ रखने में सहयोग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि मा. मंत्री जी की अथक प्रयासों से एक गोमती नदी के तट पर सुंदर स्थल विकसित किया जा रहा है,जहां पर महिलाए,बच्चे – बूढ़े सभी सुबह शाम टहल सकते हैं। माननीय मंत्री के निर्देश के क्रम में मुख्य मार्ग से सड़क का निर्माण और लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने आश्वस्त कराया है कि अवशेष कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करा दिया जाएगा। इस अवसर पर कार्यदाई संस्था इंजीनिर्स इंडिया लिमिटेड के सहायक प्रबंधक लवकेश ,प्रतिनिधि अजय सिंह, मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, नंदलाल यादव, जसविंदर सिंह, संतोष मौर्या सहित अन्य उपस्थित रहे।

छात्र नियुक्ति समारोह में छात्रों को कालेज कप्तान, उप–कप्तान, हेड गर्ल, स्पोर्टस कैप्टन, हाउस कैप्टन व प्रीफेक्टस (प्रधान छात्र) इत्यादि पद प्रदान किये गये

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। कॉल्विन ताल्लुकेदार्स कॉलेज के हिन्द हाउस ऑडिटोरियम में 'छात्र अलंकरण समारोह' Investiture Ceremony) (2024–25) मनाया गया। इस स्वर्णिम अवसर पर मुख्य अतिथि मेजर जनरल सलिल सेठ (भूतपूर्व छात्र), ळब्ब् डन्ै।ए स्नबादवू का पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस छात्र नियुक्ति समारोह में छात्रों को कॉलेज कप्तान, उप–कप्तान, हेड गर्ल, स्पोर्टस कैप्टन, हाउस कैप्टन व प्रीफेक्टस (प्रधान छात्र) इत्यादि पद प्रदान किये गये । इस सुअवसर पर प्रबन्ध समिति के कुँ0 मनीषवर्धन सिंह, प्रबन्धक, राय स्वरेश्वर बली, बासुधेन्द्र प्रताप सिंह, दिनेश चन्द्र पाण्डेय पूर्व छात्र, प्रधानाचार्य आई0एस0सी0 शाखा सच्चिदानन्द सिंह, प्रधानाचार्या यू0पी0 बोर्ड शाखा अनुपमा सिंह, हेडमिस्ट्रेस डॉ संगीता चौहान व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य सच्चिदानंद ने सभा को सम्बोधित किया। मुख्य अतिथि ने एन0सी0सी0 को बढ़ावा देते हुए इसके महत्व को बताया। छात्रों को सम्बोधित करते हुए प्रेरणा प्रदान की एवं अपने कॉलेज की पुरानी स्मृतियों को याद किया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन दिया गया व राष्ट्रगान गाया गया।

बारात में खाना खाने के दौरान जमकर चले लाठी डंडे, चार घायल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के उत्तरगावा गांव के मुसहर बस्ती में एक व्यक्ति के घर आई बारात में खाना खाने के दौरान घरातियों में ही लाठी डंडे चल गए। जिसमे दो लोग घायल हो गए। थाना क्षेत्र के उत्तरगावा गांव के राधेश्याम बनवासी के नातिन की शादी थी। आजमगढ़ जनपद से शुक्रवार की देर शाम बारात आई थी। द्वार चार की रश्म पूर्ण हुई। बाराती और घराती खाना खाने लगे। इसी बीच रात के लगभग 11 बजे गांव के ही कल्लू सोनकर व रिश्तेदारी में आये चांद बनवासी के बीच खाना खाने के दौरान झड़प हो गई। झड़प इतनी बढ़ गयी कि लाठी डंडे चलने लगा। इस मारपीट में राज कुमार बनवासी (32) पिंटू बनवासी (29) कल्लु सोनकर (22) निवासीगण उत्तरगावा एवं चांद मुसहर (30) निवासी आजमगढ़ घायल हो गए। सूचना पर थाने के उप निरीक्षक उमेश चंद पांडेय फोर्स के साथ पहुच गए। पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज किया अस्पताल भिजवाया तथा वर एवं कन्या पक्ष को समझा कर किसी तरह विवाह संपन्न कराया। इस मामले में शनिवार को जानकारी लेने पर थाना प्रभारी जफराबाद जय प्रकाश यादव ने बताया कि शादी में खाना खाने के दौरान मारपीट हो गई थी। सूचना पर थाने के दरोगा उमेश चंद पांडेय को फोर्स के साथ भेज दिया गया था, उनके द्वारा लोगो को समझा बूझकर विवाह संपन्न करवा दिया गया है। उक्त मामले में यदि तहरीर दी जाती है तो मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

स्टडी हॉल द्वारा ललित कला अकादमी में आर्ट विद हार्ट प्रदर्शनी का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन (शेफ) ने ललित कला अकादमी, में श्आर्ट विद हार्टश प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें छात्रों की उल्लेखनीय कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन 26 जुलाई को सम्मानित पद्मश्री डॉ. विद्या विंदु सिंह ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें डॉ. बीजू भगवती द्वारा हारमोनियम और गायन की सुरीली प्रस्तुति दी गई। आर्ट विद हार्ट प्रदर्शनी में पेंटिंग, भित्ति चित्र, लिनो कला और चित्रण सहित कलाकृति की एक प्रभावशाली श्रृंखला पेश की जा रही है। डॉ. विद्या विंदू सिंह ने कलाकृति की सराहना करते हुए कहा की, "कला भावनात्मक विकास के लिए एक शक्तिशाली माध्यम है, जो भावनाओं के व्यक्त करने के लिए एक सुरक्षित मंच प्रदान करती है और तनाव को कम करती है। मैं वास्तव में शेफ के छात्रों द्वारा बनाई गई सुंदर कलाकृतियों से प्रभावित हूं। उनकी अपार प्रतिभाएं उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद जगाती है। शेफ की संस्थापक और सीईओ डॉ. उर्वशी साहनी ने कहा की, "स्टडी हॉल, कला को स्कूली पाठ्यक्रम में सम्मिलित करता है। यह छात्रों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और भावनात्मक बेहतरी को बढ़ावा देकर सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है। पेंटिंग जैसी कलात्मक गतिविधियाँ छात्रों को खुद को विशेष रूप से अभिव्यक्त करने, समस्या–समाधान कौशल विकसित करने और सांस्कृतिक जागरूकता पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। उद्घाटन समारोह में स्टडी हॉल की प्रिंसिपल मीनाक्षी बहादुर, वाइस प्रिंसिपल मीनाक्षी शाह, प्रेरणा गर्ल्स स्कूल की प्रिंसिपल राखी पंजवानी, सेंटर फॉर लर्निंग की प्रिंसिपल प्रतिमा श्रीवास्तव, शेफ के मुख्य परिचालन अधिकारी आनंद चित्रवंशी और शेफ की सभी इकाइयों के प्रमुख उपस्थिति रहेद्य स्टडी हॉल के छात्रों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति शाम के आकर्षण का मुख्य बिंदु रहा। सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध बनाने में कला के मूल्य को पहचानते हुए, SHEF अपने पाठ्यक्रम में विभिन्न कला रूपों को सम्मिलित करता है। सांस्कृतिक प्रशंसा, सहानुभूति को बढ़ावा देने, मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने और समग्र विकास के माध्यम से, शेफ अपने छात्रों के लिए एक व्यापक शैक्षिक अनुभव सुनिश्चित करता है। प्रदर्शनी शनिवार, 27 जुलाई से शुरू होकर 1 अगस्त, 2024 तक प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक ललित कला अकादमी, अलीगंज में जनता के लिए खुली रहेगी।

शौचालय के टैंक में मिला अधेड़ का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

फर्रुखाबाद, संवाददाता। फर्रुखाबाद जिले के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में शौचालय के टैंक में अधेड़ का शव पड़ा मिला। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया। अधेड़ घर से खाना लेकर आया था,

लेकिन खाया नहीं। पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के कांशीराम कॉलोनी रविदास नगर निवासी भीकम (55) की शादी नहीं हुई थी। वह कालोनी में पान मसाले का खोखा रखकर गुजर बसर करता था। मोहल्ला रविदास नगर में उसका भाई हकीम सिंह परिवार सहित रहता है। गुरुवार शाम भीकम भाई के घर से खाना लेकर वापस कॉलोनी आ गया। सुबह मां रामपोती ने मोहल्ले के भतीजे दीपू से कहा कि भीकम छत पर सो रहा होगा। उसका उठा देना। दीपू छत पर गया लेकिन वह भीकम नहीं मिला। इधर–उधर खोजने पर भीकम पीछे बने शौचालय के पास टैंक पर टिके हुए मिले। उसकी मौत हो चुकी थी। जानकारी मिलने पर मां रामपोती व भाई हकीम सहित परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। मां ने आरोप लगाया कि भीकम घर से खाना लेकर छत पर सोने जाता था। उसने खाना भी नहीं खाया। छत से टैंक के पास कैसे पहुंच गया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर जांच कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करने का भरोसा दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर मनोज भाटी ने बताया कि टैंक के पास शव मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कंटेनर और अज्ञात वाहन की टक्कर, एक की मौत और चार गंभीर घायल

इटावा, संवाददाता। इटावा जिले के जसवंतनगर में गुरुवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर जौनई चौकी के पास एक कंटेनर ने आगे चल रहे अज्ञात वाहन में जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसा रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, जौनई चौकी के पास रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने इटावा से आगरा जाने वाली सड़क पर कानपुर से गुड़गांव की तरफ जा रहे कंटेनर ने आगे चल रहे अज्ञात वाहन में परिचालक साइड की दिशा से जबरदस्त टक्कर मार दी। इससे की केबिन में बैठे लोग घायल हो गए। हादसे में कानपुर के एक ही परिवार के राजेश कुशवाहा पुत्र रामपाल (40), उसकी पत्नी सुनीता देवी (38), दो बेटे नितिन कुमार (20) और जतिन कुमार (14) निवासी ककवन थाना जनपद कानपुर नगर व परिचालक फूलचंद (40) पुत्र गौरी शंकर निवासी ग्राम कमलापुर थाना सट्टी कानपुर देहात कुल पांच लोग बुरी तरह क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गए।

मौका पाकर कंटेनर का ड्राइवर फरार हो गया। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक रामसहाय सिंह ने अपनी पुलिस टीम के साथ केबिन में फंसे सभी घायलों को निकाल कर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। राजेश ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि अन्य चार गंभीर घायलों को डॉक्टरों ने सैफई पीजीआई के लिए रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है।

संक्षिप्त खबरें

जीटी रोड हाईवे पर मिली नोटों की कतरन

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में बिल्हौर के अरौल थाना क्षेत्र में मेदुआ गांव के सामने जीटी रोड हाईवे पर अंडरपास के पास शुक्रवार को कई कुंतल नोटों की कतरन पड़ी मिली। घटना की जानकारी होते ही इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने नोटों की कतरन देखकर मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने नमूने लेकर उच्च अधिकारियों को सूचित किया है। जानकारी के अनुसार, अरौल थाना क्षेत्र के मेदुआ गांव के समीप से ही जीटी रोड हाईवे गुजरा हुआ है। मेदुआ अंडरपास के पास शुक्रवार सुबह राहगीर कई कुंतल नोटों की कतरन देखकर सन रह गए। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने बताया कि राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल में पाया कि 100, 200, 500 रुपये के नोटों की कतरन ढेर में हैं। मामले की जांच की जा रही है कि रात में उक्त नोटों की कतरन, किसने फेंकी और क्यों फेंकी।

पुलिसकर्मियों की बायोमेट्रिक हाजिरी हुई शुरू

आगरा, संवाददाता। यूपी पुलिस के जवानों की हाजिरी अब बायोमेट्रिक होगी। आगरा के थाना लोहामंडी में पहली बायोमेट्रिक मशीन लगाई गई है। इसका शुभारंभ डीसीपी सिटी सूरज राय ने किया। थाना लोहामंड़ी में बायोमेट्रिक हाजिरी सिस्टम लगाया गया है। अब सभी पुलिसकर्मियों को समय पर हाजिरी ऑफिस में लगानी होगी। बायोमेट्रिक मशीन लग जाने से पुलिसकर्मियों की मनमानी पर लगाम लग सकेगा।

पुलिसकर्मियों को सुबह 9 बजे बायोमेट्रिक मशीन से हाजिरी लगानी होगी। ड्यूटी के निर्धारित समय में देरी से आने पर जवाब मांगा जाएगा। जवाब न मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। बायोमेट्रिक मशीन में फिंगर प्रिंट से पुलिसकर्मियों की पहचान होगी। इस बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम का डीसीपी सिटी सूरज राय ने शुभारंभ किया।

डीएम ने एआरटीओ कार्यालय में मारा छापा

औरैया, संवाददाता। औरैया जिले में ककोर मुख्यालय स्थित एआरटीओ कार्यालय पर जिलाधिकारी ने एसपी के साथ अचानक से छापामारी की। छापामारी होते देख कार्यालय में अंदर वह बाहर मौजूद दलालों में भगदड़ मच गई। इस बीच मौके से पुलिस ने दो लैपटॉप और सात बाइकें बरामद कीं। साथ ही कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। डीएम के औचक्क छापे से लोगों में हड़कंप मच गया है। जिलाधिकारी डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी को एआरटीओ कार्यालय में दलालों के वर्चस्व की शिकायतें मिल रही थी। इसको लेकर जिलाधिकारी ने शुक्रवार को एसपी चारू निगम के साथ दोपहर लगभग 12 बजे एआरटीओ कार्यालय पर छापा मारा। अचानक से छापा पड़ते देख एआरटीओ कार्यालय की अंदर और बाहर मौजूद दलालों में भगदड़ मच गई। इस दौरान एआरटीओ कार्यालय के बाहर दुकानें सजाए बैठे लोग अपना लैपटॉप और बाइक छोड़कर भाग गए। इस पर पुलिस ने लैपटॉप और सात बाइकें बरामद कर ली। साथ ही कुछ लोगों को भी हिरासत में लिया है।

कावड़ खंडित होने पर गुस्साए कांवड़ियों ने की समुदाय विशेष के तीन लोगों से मारपीट

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के परतापुर में शुक्रवार दोपहर परतापुर के दिल्ली–देहरादून हाईवे और दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे के टी पॉइंट पर कांवड़ खंडित होने को लेकर कांवड़ियों ने हंगामा कर दिया। यहां रॉन्ग साइड आ रही कार ने हरिद्वार से गाजियाबाद जल लेकर जा रहे एक कांवड़ में टक्कर मार कर जल खंडित कर दिया, जिससे गुस्साए कांवड़ियों ने कार सवार तीन समुदाय विशेष के लोगों को लाठी–डंडों से पीटना शुरू कर दिया।

कार में कांवड़ियों ने की तोड़फोड़

मारपीट के बीच जैसे–तैसे तीनों युवक अपनी जान बचाकर भागे। इसके बाद कावड़ियों ने हंगामा करते हुए कार में तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना के बाद भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र सिंह, सीओ ब्रह्मपुरी प्रमोद कुमार, सीईओ सुचिता सिंह ने मामला शांत कराया। अधिकारियों ने सभी कांवड़ियों को समझा बुझाकर शांत कराया और पीड़ित कांवड़िया को प्रशासन की मदद से जल लेने के लिए दोबारा हरिद्वार भेजा। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर पुलिस यार्ड भिजवा दिया।

दबंगों से प्रताड़ित परिवार ने किया पलायन

बांदा, संवाददाता। मकान बिकाऊ है, योगी जी बचाओ दबंगों से, पर्चा चस्पा कर एक परिवार दबंगों के डर से पलायन कर गया है। गिरवां थाना क्षेत्र के छनेहरा के मजरा गौरी का पुरवा निवासी श्याम सुंदर ने बताया कि पड़ोसियों के आए दिन अत्याचार से आजिज होकर पलायन कर दिया है। मकान के बाहर उसने कागज में चस्पा कर लिखा है कि दबंगों के डर से यह मकान बिकाऊ है, योगी हमें दबंगों से बचाओ। वर्तमान में यह परिवार बिलबई गांव के निजामत पुरवा में किराए का मकान लेकर रह रहे हैं। पीड़ित प्रजापति परिवार ने बताया कि उक्त दबंग पुश्तैनी मकान व जमीनों पर कब्जा करने की नियत से हमारे परिवारों के साथ अत्याचार कर रहे हैं।

निरीक्षण से मची अफरा–तफरी, कोचिंग सेंटर बंद कर भागे

कानपुर, संवाददाता। नोडल अधिकारी ने टीम के साथ कस्बे में संचालित कोचिंग सेंटरों का गुरुवार को निरीक्षण किया। इस दौरान तीन कोचिंग सेंटर मानक विहीन पाए गए। इधर, अधिकारियों के आने की खबर मिलते ही तमाम कोचिंग संचालक शटर बंद कर मौके से भाग निकले। डीआईओएस विजय पाल सिंह के निर्देश पर नरैनी क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से संचालित कोचिंग सेंटरों पर रोक लगाने के लिए नामित नोडल अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह व महेश्वर ने निरीक्षण किया। इस दौरान कस्बे में संचालित तीन कोचिंग सेंटर मानक विहीन पाए गए। सूचना मिलते ही अन्य कोचिंग सेंटर अपने संस्थानों के शटर बंद कर भाग निकले। नोडल अधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटर संचालक रोहित के यहां कक्षा 12 की कोचिंग संचालित मिली। अपनी योग्यता बीएससी मैथ बताया। जबकि योग्यता एमएससी होनी चाहिए। कोचिंग सेंटर पंजीकृत नहीं हैं। छात्रों के लिए पानी, शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं मिली। इसी तरह एनएस कोचिंग सेंटर संचालक श्याम दीक्षित ने एमएससी रसायन विज्ञान बताया, लेकिन शैक्षिक योग्यता संबंधी कोई अभिलेख नहीं दिखाए, जबकि कोचिंग का पंजीकरण रानी दीक्षित एमए, डीएड के नाम मिला। कोचिंग रसायन विज्ञान की संचालित मिली। कोचिंग सेंटर कालिंजर रोड के संचालक जुगुल किशोर का पंजीकरण ही नहीं मिला। वहां कक्षा 9 व 10 के छात्रों को पढ़ाते पाए गए। इनकी शैक्षिक योग्यता बीएससी मैथ है, जबकि एमएससी होना चाहिए। वह कोई भी अभिलेख नही दिखा सके। इसके साथ ही सेंटर में पानी, शौचालय व अग्निशमन की कोई व्यवस्था नहीं मिली।

कारोबारी भाइयों से 10 लाख लूटे, हाईवे की तरफ भाग निकले बदमाश

आगरा, संवाददाता। आगरा के कमला नगर में एक बार फिर बदमाशों ने वारदात को अंजाम देकर कमिश्नरेट पुलिस को चुनौती दी है। घटना के बाद बाजार में दहशत फैल गई। दुकानों के शटर गिरने लगे। बाद में पुलिस पहुंची। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इससे सुराग मिल गए। बदमाश लूट के बाद फिरोजाबाद हाईवे की तरफ भागे हैं। इस पर टीम गिरफ्तारी के प्रयास में लगी हुई है। पुलिस का कहना है कि रेकी कर वारदात को अंजाम दिया है। कारोबारी नरेंद्र और महेश मोटवानी से लूट करने के बाद एक बाइक पर सवार दो बदमाश कमला नगर मुख्य बाजार तो दूसरी बाइक पर सवार बदमाश मुगल रोड होते हुए हाईवे की तरफ चले गए। पुलिस ने कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इनमें बदमाश नजर आए हैं। हालांकि उनके चेहरे नहीं दिख रहे हैं। बाइकों के नंबर भी नहीं दिख रहे हैं। कारोबारी भी नहीं बता पा रहे हैं कि बदमाशों के चेहरे खुले थे या बंद। उनका कहना है कि बदमाशों ने उनकी आंखों में मिर्च झोंक दी थी। इस कारण उन्हें कुछ भी दिख नहीं आ रहा था। कुछ राहगीरों की आंखों में भी मिर्च गई थी। इस कारण कोई कुछ नहीं कर सका। बाद में आंखों में पानी डाला। तब राहत मिली। फुटेज से यह भी पता चला है कि बदमाश काफी देर से कारोबारी भाइयों का इंतजार कर रहे थे। उनके निकलते ही पीछे लग गए। सुनसान स्थान पर घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने कमला नगर में कई जगह पर सीसीटीवी फुटेज देखे। इससे पता चला कि बदमाश रेकी करके आए थे। उन्हें पता था कि व्यापारी कैश लेकर मुगल रोड से जाते हैं। इसलिए दुकान से ही पीछे लग गए। मुगल रोड पर जहां पर लूट की, वहां पर सुनसान रहता है। उन्होंने व्यापारियों को स्कूटर में लात मारने के बाद गिरा दिया था, जिससे वो ज्यादा दूर न जाएं। वारदात के बाद हाईवे की तरफ होते हुए फिरोजाबाद की तरफ भाग निकले।

दहशत में आ गए व्यापारी

कमला नगर में लूट की सूचना बाजार में तेजी से फैल गई। इस पर दुकानों के शटर गिरने लगे। कुछ दुकानें पहले से भी बंद हो गई थीं। मगर, बड़े शोरूम खुले हुए थे। घटनास्थल पर व्यापारी भी पहुंच गए। उनका कहना था कि कमला नगर में कई बार व्यापारियों क साथ वारदात हो चुकी हैं। उन्होंने क्षेत्र में पुलिस की और गश्त की मांग की ।

पहले भी हो चुकी हैं वारदात

कमला नगर में लूट की वारदात पहली बार नहीं हुई। कई बार कारोबारी लुट चुके हैं। हत्या तक हो चुकी है। मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी में डकैती की वारदात हुई थी। इसमें कई किलो करोड़ों का सोना लूटा गया था। दो को वारदात के कुछ देर बाद ही एत्मादपुर में मुठभेड़ में मार दिया गया था। फिरोजाबाद का गैंग निकला था। पुलिस ने एक–एक करके माल बरामद किया था। कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। अब फिर से फिरोजाबाद के गैंग के वारदात करने की आशंका है।

महिला की मौत, ससुराल वालों पर हत्या का आरोप

शामली, संवाददाता। गांव मामौर में संदिग्ध परिस्थितियों में 24 वर्षीय विवाहिता खुशबू की मौत हो गई। मौके पर पहुंचे मायके वालों ने विवाहिता की दहेज की खातिर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। बाद में पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव मामौर निवासी साहिल का निकाह करीब दो साल पहले जनपद बागपत के गांव हरचंदपुर निवासी खुशबू के साथ हुआ था। खुशबू के एक छोटा बेटा है। बृहस्पतिवार सुबह खुशबू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला की मौत पर परिजनों में कोहराम मच गया। इस दौरान किसी ने डायल 112 पुलिस को महिला की मौत की सूचना दे दी। सूचना पर सीओ अमरदीप मौर्य मौके पर पहुंचे। साथ ही फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। उधर सूचना पर मृतका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। मृतका के मामा मो. ताज का कहना है कि शादी के बाद से ही भांजी को ससुराल के लोग दहेज की खातिर परेशान कर रहे थे, जिसके कारण उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। उन्हें देरी से मामले की सूचना दी गई। सीओ अमरदीप मौर्य ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में मौत के सही कारणों का पता लगेगा। तहरीर अभी नहीं मिली है।

अनिश्चितकालीन धरने पर डटे किसान

शामली, संवाददाता। । शामली–अंबाला ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे में जमीन अधिग्रहण होने के बाद खेत पर जाने के लिए रास्ते, पानी की नाली, अंडरपास की मांग को लेकर सुनवाई न होने पर घर की महिलाओं सहित किसान अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। वहीं किसानों ने धरने के दौरान हाईवे का काम भी रुकवा दिया। किसानों का कहना है कि अधिकारियों के पास जाकर समस्या के समाधान की मांग कर चुके हैं, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। शामली–अंबाला ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे में थानाभवन क्षेत्र के गांव लतीफगढ़ एवं अन्य कुछ किसानों की जमीन अधिग्रहण हुई थी। किसान पिछले काफी समय से जनपद के आलाधिकारियों से खेतों पर जाने के लिए रास्ते, सिंचाई के लिए नाली की मांग कर चुके हैं। सुनवाई नहीं होने पर प्रभावित किसान परिवार के साथ धरने पर बैठ गए। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होगा। वह धरने पर डटे रहेंगे। भरी गर्मी में किसानों के परिवार की महिलाएं एवं बच्चे और किसान लोग धरने पर बैठे हैं। मौके पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव एवं शामली के पूर्व रालोद जिला अध्यक्ष मुकेश सैनी भी किसानों के बीच पहुंचे उन्होंने किसानों की बात को सुनते हुए किसानों के धरने का समर्थन किया है और प्रशासन से समस्या के समाधान की मांग की है। वहीं किसानों ने धरने के दौरान हाईवे का काम भी रुकवा दिया। किसानों के धरने की बाद भी कोई प्रशासनिक अधिकारी किसानों के बीच नहीं पहुंचा था। इस दौरान किसान नीरज, लोकेश, अर्जुन जगदीश, अतरा, प्रवीण, मीनाक्षी, सलेक चंद, महेंद्र सिंह, सूरज आदि मौजूद रहे।

मासूम की हत्या के बाद मां ने किया सुसाइड, साड़ी के दोनों सिरों से लटके थे शव

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले में अजगैन कोतवाली के मलांव गांव में मां–बेटे के शव घर में फंदे से लटके मिले। चर्चा है कि पारिवारिक कलह से परेशान होकर महिला ने पहले सात साल के बेटे को फंदे से लटकाया फिर खुद भी खुदकुशी कर ली। वहीं, मृतका की मां ने मृतका के पति, भाभी सहित सात पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने पति को हिरासत में लिया है। मलांव गांव निवासी देशराज रावत की पत्नी शांति (30) और बेटे संगम उर्फ देवराज (7) के शव गुरुवार सुबह करीब छह बजे घर के कमरे में फंदे से लटके मिले। दोनों के शव एक ही साड़ी के दोनों सिरों से लटके थे। पति देशराज के मुताबिक, घटना के समय वह खेत पर था। घर लौटने पर घटना की जानकारी हुई। देशराज ने बताया कि वह मुंबई में मजदूरी करता था। पांच महीने पहले घर आया था और तब से यहीं मजदूरी करके परिवार चला रहा था।

सास की देखभाल न करने को लेकर हुआ था विवाद

मां (मृतका की सास) की देखभाल न करने को लेकर पत्नी से सुबह विवाद हुआ था। इसी की बाद उसने बेटे की हत्या करने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर दही थानाक्षेत्र के शिवदीन खेड़ा गांव निवासी मृतका की मां गुड्डी पत्नी सोनेलाल पहुंचीं।

मां की तहरीर पर सात पर रिपोर्ट दर्ज

उन्होंने बताया कि बेटी की शादी 25 मई 2017 को की थी। गुरुवार सुबह उसने फोन करके पति द्वारा मारपीट करने और उसे यहां से लिवा ले जाने की बात कही थी। दो घंटे बाद बेटी और नाती की मौत की सूचना मिली। गुड्डी ने मृतका के पति देशराज, ननद माया, उर्मिला, भतीजा अरविंद, धर्मेंद्र, नीरज और भाभी शिवप्यारी पर हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

अजगैन कोतवाली प्रभारी अवनीश सिंह ने बताया कि पारिवारिक कलह से ऊबकर महिला ने बेटे को मारने के बाद अपनी जान दी है। मृतका की मां ने हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है, जिसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पोस्टमार्टम में हैंगिंग की पुष्टि, कोई चोट नहीं

मृतका शांति और उसके बेटे के शव का पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों की मौत फंदा लगने से हुई है। दोनों में हैंगिंग की पुष्टि हुई है। दोनों के शरीर पर मारपीट का कोई निशान या चोट नहीं पाई गई है। मलांव गांव निवासी शांति और उसके बेटे संगम उर्फ देवराज के शव जिस साड़ी के फंदे से लटके मिले वह शांति की ही है। साड़ी के बीच का हिस्सा पंखे के कुंडे में फंसा था।

करंट लगने से लाइनमैन की मौत, बिजलीघर पर जड़ा ताला

शामली, संवाददाता। केरटू बिजली घर पर तैनात लाइनमैन सुमित की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के साथ ग्रामीणों ने बिजलीघर पर हंगामा करते हुए ताला जड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने बिना सूचना दिए लाइनमैन के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने लोगों को समझाबुझाकर शांत किया। गांव अजीजपुर निवासी 25 वर्षीय सुमित पुत्र रणसिंह केरटू बिजलीघर पर तैनात था। बृहस्पतिवार को टूटे खंभे की जगह दूसरा खंभा लगते समय लाइनमैन को करंट लग गया जिससे वह झुलस गया। कुछ देर बाद ही मौके पर ही लाइनमैन की मौत हो गई । विभाग ने मृतक के परिजनों को हादसे की कोई सूचना नहीं दी तथा शव को पुलिस की मदद से पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। परिजन ग्रामीणों के साथ इकट्ठा होकर केरटू बिजलीघर पर पहुंचे तथा प्रदर्शन करते हुए अधिकारियों के ना पहुंचने पर तालाबंदी कर दी। ग्रामीणों और परिजनों का आरोप है कि शटडाउन होने के बाद जानबूझकर लाइन को चालू किया गया जिसमें करंट से लाइनमैन की मौत हो गई। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। हंगामा की सूचना पर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों व परिजनों को समझाया कि पहले शव के पास पहुंचकर उनका शव पोस्टमार्टम कराओ, उसके बाद तहरीर के आधार पर कार्रवाई कराई जाएगी। तब कहीं जाकर ग्रामीण शांत हुए और लौटे। मृतक के पिता रणसिंह का कहना है कि मामले की शिकायत डीएम और एसपी से भी की जाएगी।

ऊर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी। यदि किसी की गलती के कारण लाइनमैन की मौत हुई है तो जांच के बाद कार्रवाई होगी।

ऊर्जा निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचना तक नहीं समझा मुनासिब

परिजनों का आरोप था कि हादसा होने के बावजूद ऊर्जा निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचना तक मुनासिब नहीं समझा। आरोप लगाया कि अधिकारियों की लापरवाही से आए दिन हादसे हो रहे है और कार्रवाई कोई नहीं हो रही।

शादी से युवती कर रही थी इन्कार- छत से फेंकने का आरोप

अलीगढ, संवाददाता। अलीगढ़ में बन्नादेवी के शक्ति विहार इलाके में सैन्यकर्मी के मकान की तीसरी मंजिल से युवती को फेंकने का आरोप परिजनों ने लगाया है। उनका कहना है कि युवती पर शादी का दबाव बनाने और बात न मानने पर वारदात को अंजाम दिया गया है। इस मामले में सैन्य कर्मी, उसकी सास और चचिया ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी हो रही थी। इधर, जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती युवती पूरी तरह होश में नहीं है। सुबह हल्का होश आने पर कुछ जानकारी दी है। घटना 24 जुलाई देर शाम की है, जब मकान की तीसरी मंजिल से गिरी युवती को सैन्यकर्मी व उसका शिक्षक भाई जख्मी हालत में लेकर जा रहे थे। तभी लोगों ने घेरकर उन्हें दबोच लिया था और दोनों भाइयों को पीटकर पुलिस को सौंप दिया था। जख्मी युवती का जेएन मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। जानकारी पर तड़के कासगंज क्षेत्र के गांव बेघला कोफ्ता से युवती की मां, भाई व बहन आदि परिजन जेएन मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने पुलिस को जानकारी दी कि युवती डेढ़ माह पहले अपने बहनोई के साथ चली गई थी। इस मुकदमे में बहनोई जेल गया। 23 जुलाई को उसे तंत्र–मंत्र से जुड़े उपचार के लिए एटा, अमापुर में रिश्तेदारी में भेजा था। वहां सैन्यकर्मी देवेंद्र की ससुराल है। वह भी वहां पहुंचा हुआ था। दोनों चूंकि आपस में रिश्तेदार हैं। सैन्यकर्मी के सामने जब मामला रखा तो वह यह कहकर अपने साथ युवती को ले आया कि वहां इलाज कराएंगे।

इस प्रस्ताव पर सैन्यकर्मी की सास व चचिया ससुर जगपाल उर्फ गप्पाल ने भी जोर दिया और यह तीनों लोग युवती को अलीगढ़ ले आए। परिवार का आरोप है कि उसे 24 जुलाई को यहां लाया गया। यहां लाकर युवती पर सैन्यकर्मी अपने तीसरे भाई संग शादी का दबाव बना रहा था। इसका युवती ने विरोध किया तो मारने की नीयत से उसे छत से फेंक दिया गया। इस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसमें तीनों को नामजद किया है। पुलिस के अनुसार इधर, युवती ने सुबह हल्का होश आने पर बताया कि सैन्यकर्मी व शिक्षक अपने तीसरे भाई के साथ शादी का दबाव बना रहे थे। इंस्पेक्टर के अनुसार अभी युवती के पूरी तरह होश में आने का इंतजार है। मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। वहीं आरोपी हिरासत में हैं।

सिर, जबड़ा, गर्दन व हाथ में गंभीर चोट, नहीं हुए बयान

तीसरी मंजिल से गिरने के कारण युवती के सिर, गर्दन व हाथ में गंभीर चोट हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।